Roll No. ....

Total No. of Questions : 3] [Total No. of Printed Pages : 4

(2064)

M.A. (CBCS) IInd Semester Examination

8894

HINDI

(भक्ति एवं रीति-काव्य)

(Core)

Paper : MHIN-201

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : Regular : 80, Private : 100**

नोट :- सभी प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) निपट बंकट छब अंटके।
म्हारे णेणा निपट बंकठ छब अंटके॥
देख्यां रूप मदन मोहन री, पियत पियूखन मटके।
बारिज भवां अलक मतवारी, णेणे रूप रस अंटके।
टेढ्या कट टेढे करि मुरली, टेढ्या पग लट लटके।
मीरा प्रभु रे रूप लुभाणी, गिरधर नागर नटके॥

अथवा

म्हा मोहणरो रूप लुभाणी॥ टेक॥
सुन्दर बदणा कमल दल लोचण, बांकां चितवण णेणां समाणी।
जमणा किणारे कान्हा धेनु चटावां, वंशी बजावां मीठ्ठां बाणी।
तण मण घण गिरधर पर वारां, चरण कंवल मीरा बिलमाणी॥

(ii) मानुष हों तौ वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु, हौं तो कहा बसु मेरो चरौं नित नन्द की धेनु मँझारन।
पाहन हों तो वही गिरि को जो धर्‌यौ कर छत्र पुरन्दर धारन।
जो खग हौं तों बसेरो करौं मिल कालिन्दी-कूंल-कदम्ब की डारन॥

अथवा

प्रेम प्रेम सब कोउ कहत, प्रेम न जातन कोइ।
जो जन जाने प्रेम तौ, परै जगत क्यौं रोइ॥

(iii) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाईं परैं स्यामु हरित-दुति होइ॥

अथवा

कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन मैं करत हैं, नैननु हीं सब बात॥

(iv) रूपनिधान सुजान सखी जब तैं इन नैननि नेकु निहारे।
दीठिथकी अनुराग-छकी मति लाज के साज-समाज बिसारे।
एक अचंभौ भयौ घनआनंद हैं नित ही पल-पाट उघारे।
टारैं टरें नाहीं तारे कहूँ सु लगे मनमोहन-मोह के तारे॥

अथवा

झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै।
हँसि बोलन मैं छवि-फूलन की बरषा, उर-ऊपर जाति है ह्वै।
लट लोट कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै।
अंग-अंग तरंग उठै दुति की, परि है मनौ रूप अवैधरिच्वै॥

4×7=28[4×9=36]

2. निम्नलिखित दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) मीरा की भक्ति भावना की विवेचना कीजिए।

अथवा

मीरा के काव्य में चित्रित वियोग शृंगार की विवेचना कीजिए।

(ii) रसखान की सौन्दर्य दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रसखान की भक्ति में व्याप्त एकनिष्ठता पर प्रकाश डालिए।

(iii) बिहारी की शृंगार चेतना का विवेचन कीजिए।

अथवा

बिहारी की बहुज्ञता स्पष्ट कीजिए।

(iv) घनानंद को प्रेम का कुशल चितेरा क्यों कहा गया है ?

अथवा

घनानंद की काव्यभाषा का विश्लेषण कीजिए।

4×10=40[4×13=52]

3. किन्हीं छः अति लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) मीरा ने श्रीकृष्ण की भक्ति क्यों की ?

(ii) मीरा ने लोकलाज की अवहेलना क्यों की ?

(iii) बिहारी को रीतिसिद्ध कवि क्यों कहा जाता है ?

(iv) बिहारी के यश का क्या कारण है ?

(v) घनानंद का अति संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(vi) घनानंद ने 'सुजान' शब्द का उल्लेख क्यों किया है ?

(vii) रसखान को रस की खान क्यों कहा जाता है ?

(viii) रसखान की भाषा पर टिप्पणी कीजिए। $6\times2=12[6\times2=12]$

Roll No. ....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 3

(2064)

M.A. (CBCS) IInd Semester Examination

8895

HINDI

[हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)]

(Core)

Paper : MHIN-202

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : { Regular : 80, Private : 100**

नोट :- निम्नलिखित खण्डों में से किन्हीं **चार** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक खण्ड में से **एक** प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्न सं. **5** अनिवार्य है।

खण्ड–अ

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भारतेन्दुयुगीन प्रमुख साहित्यकारों के योगदान पर विचार कीजिए।

15×1=15[20×1=20]

खण्ड–ब

2. द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

छायावाद का अर्थ बताते हुए उसकी साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए।

15×1=15[20×1=20]

खण्ड–स

3. 'प्रगतिवादी' काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइए।

अथवा

समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

15×1=15[20×1=20]

खण्ड–द

4. हिन्दी उपन्यास के विकास पर एक आलोचनात्मक निबन्ध लिखिए।

अथवा

हिन्दी आलोचना का विकास किस प्रकार हुआ ? गम्भीरता से विचार कीजिए। 15×1=15[20×1=20]

अनिवार्य प्रश्न

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दस** अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5. (i) सन् 1857 की राजक्रान्ति के किन्हीं **दो** कारणों को संक्षेप में बताइए।

(ii) आधुनिक काल की **दो** प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइए।

(iii) भारतेन्दुजी की किन्हीं **तीन** रचनाओं के नाम लिखिए।

(iv) द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकारों के नाम बताइए।

(v) छायावाद के प्रमुख **चार** कवियों के नाम बताइए।

(vi) मैथिलीशरण गुप्त को उनकी किस रचना के कारण राष्ट्रकवि कहा गया ?

(vii) प्रयोगवादी काव्यधारा के प्रवर्तक कौन हैं ?

(viii) समकालीन कविता किसे कहते हैं ?

(ix) प्रगतिवादी काव्यधारा के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

(x) हिन्दी की प्रथम कहानी कौनसी मानी जाती है ?

(xi) निबन्ध साहित्य को समृद्ध बनाने में आचार्य रामचन्द्र का क्या योगदान है ?

(xii) जयशंकर प्रसाद के किन्हीं **तीन-चार** नाटकों के नाम लिखिए।

2×10=20[2×10=20]

Roll No. ....

Total No. of Questions : 3] [Total No. of Printed Pages : 7

(2064)

M.A. (CBCS) IInd Semester Examination

8896

HINDI

(आधुनिक गद्य साहित्य)

(Core)

Paper : MHIN-203

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : {Regular : 80, Private : 100}

नोट :- सभी प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(i) ऐसा कोई दिन आ सकता है, जबकि मनुष्यों के नाखूनों का बढ़ना बंद हो जाएगा। प्राणिशास्त्रियों का ऐसा अनुमान है कि मनुष्य का अनावश्यक अंग उसी प्रकार झड़ जाएगा, जिस प्रकार उसकी पूँछ झड़ गई है। उस दिन मनुष्य की पशुता भी

(ii)

लुप्त हो जाएगी। शायद उस दिन वह मारणशास्त्रों का प्रयोग भी बंद कर देगा। तब तक इस बात से छोटे बच्चों को परिचित करा देना वांछनीय जान पड़ता है कि नाखून का बढ़ना मनुष्य के भीतर की पशुता की निशानी है और उसे नहीं बढ़ने देना मनुष्य की अपनी इच्छा है, अपना आदर्श है।

अथवा

बात ही से पराए अपने और अपने पराए हो जाते हैं। मक्खीचूस उदार तथा उदार स्वल्पव्ययी, कापुरुष युद्धोत्साही एवं युद्धप्रिय शान्तिशील, कुमार्गी, सुपथगामी, अथच, सुपंथी, कुराही इत्यादि बन जाते हैं। बात का तत्व समझना हर एक का काम नहीं है और दूसरों की समझ पर आधिपत्य जमाने योग्य बात करना भी ऐसे वैसों का साध्य नहीं है। बड़े-बड़े विज्ञवरों तथा महा-महाकवीश्वरों के जीवन बात ही के समझने-समझाने में व्यतीत हो जाते हैं।

(ii) आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघंटु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, रग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब-के-सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं।

अथवा

शब्द की शून्य भीत पर ही इसी गंध के रंग-बिरंगे चित्र खींचने में ही युगों-युगों से भारती अपना जन्म सफल करती रही है। इस गंध और इस गंध की अधिष्ठात्री पृथ्वी की अर्चना इसलिए परम अर्चना है और इसमें बखेड़ा भी कम नहीं। पार्थिव साधना में विवेक और बुद्धि की, अनन्यता और एकाग्रता की, श्रद्धा और निष्ठा की तथा संतोष और क्षमा की जितनी तीव्र आवश्यकता है उतनी किसी अन्य साधना में नहीं हो सकती। यह संसिद्धि जन्म-जन्मान्तर का हिसाब लगाती है, यहाँ सफलता पीढ़ियों-दर-पीढ़ियों का बलिदान माँगती है और शान्ति-अशान्ति का चिर विश्राम।

(iii) सहसा वह मायावी क्षण टूट गया। हम फिर वापस अपने-अपने में लौट आए। एक लम्बी, बोझिल-सी साँस उस अदृश्य, बेडौल भीड़ के ऊपर उठी और चंद अश्लील गालियों में खो गई। एक-दूसरे के देह की गंध-जिसे हम पास-पास खड़े सूँघ सकते थे, गालियों के बावजूद अपना सकते थे, अब अलग-अलग रास्तों पर छितराने लगी थी। केवल हम तीन व्यक्ति अब भी अहाते के भीतर अनिश्चित-सी मुद्रा में खड़े रहे। मेरे पीछे हल्की-सी सरसराहट हुई।

अथवा

सुनन्दा ने अपने लिए कुछ भी बचाकर नहीं रखा था। उसे यह सूझा ही न था कि उसे भी खाना है। अब कालिंदी के लौटने पर ही जैसे उसे मालूम हुआ कि उसने अपने लिए कुछ भी बचाकर नहीं रखा है। वह अपने से रुष्ट हुई। उसका मन कठोर हुआ, इसलिए नहीं कि क्यों उसने खाना नहीं बचाया ? इस पर तो उसमें स्वाभिमान का भाव जागता था। मन कठोर यों हुआ कि वह इस तरह की बात सोचती ही क्यों है ?

(iv) सामने पहाड़ी के बीच की पगडण्डी के सिर पर बोझ लिए एक नार-आकृति उसी ओर चली आ रही थी। गुसाईं ने सोचा, यहीं से आवाज देकर उसे लौटा दे। कोसी के चिकने, काई-लगे पत्थरों पर कठिनाई से चलकर उसे वहाँ तक आकर केवल निराश लौट जाने को क्यों वह बाध्य करे! दूर से चिल्ला-चिल्लाकर पिसान स्वीकार करवाने की लोगों की आदत के कारण वह तंग हो चुका था। इस कारण आवाज देने को उसका मन नहीं हुआ है वह आकृति अब तक पगडण्डी छोड़कर नदी के मार्ग में आ पहुँची थी।

अथवा

अब मुख्य देवता की मूर्ति को मंदिर से बाहर निकालना था। यह विशेष महत्व लिए था। देवता की मूर्ति एक गुफा मंदिर में प्रतिष्ठित रहती थी जिसे केवल भुंडा जैसे विशाल आयोजन में ही बाहर निकाला जाता था। इसके साथ कई अन्य छोटी मूर्तियाँ और सामान भी होता था। दैनिक पूजा और दूसरे अनुष्ठानों एवं जातराओं इत्यादि के लिए देवता की एक अन्य मूर्ति नीचे की मंजिल में रखी होती थी। लोग जानते थे कि पिछले भुंडा के दौरान मंदिर के किवाड़ बंद कर दिए गए थे। इसीलिए लोगों की उत्सुकता ज्यादा ही दिखाई दे रही थी।

7×4=28[9×4=36]

2. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' ? निबन्ध के विषय-प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'बात' निबन्ध की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'षोडशी के चरणकमल' निबन्ध की केन्द्रीय चेतना क्या है ?

अथवा

रामविलास शर्मा द्वारा लिखित 'छायावाद और रहस्यवाद' निबन्ध की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'दुनिया का अनमोल' रतन कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा

जैनेन्द्र द्वारा लिखित 'पत्नी' कहानी की भाव संवेदना को उद्घाटित कीजिए।

(घ) 'वापसी' कहानी की भाव-संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'जीनकाठी' कहानी के आधार पर भगवानदत्त शर्मा का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10×4=40[13×4=52]

3. निम्नलिखित अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' ? निबन्ध में मानवतावादी दृष्टिकोण कैसे उभरा है ?

(ii) 'बात' के महत्व को उद्घाटित कीजिए।

(iii) 'छायावाद और रहस्यवाद' निबन्ध की महत्वपूर्ण विशेषताएँ बताइए।

(iv) 'आचरण की सभ्यता' से क्या आशय है ?

(v) 'लन्दन की एक रात' कहानी का प्रकाशन काल क्या है ?

(vi) 'पत्नी' कहानी की नायिका का नाम क्या है ?

(vii) सोमा बुआ के बेटे का नाम क्या है ?

(viii) सेवानिवृत्त अधिकारी गजाधर बाबू किस कहानी के पात्र हैं ?

2×6=12[2×6=12]

Roll No. ....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 3

(2064)

M.A. (CBCS) IInd Semester Examination

8897

HINDI

(हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि)

(Core)

Paper : MHIN-204

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : Regular : 80, Private : 100**

नोट :- निर्देशानुसार दोनों खण्डों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–अ

नोट :- निम्नलिखित **चारों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय देते हुए उनकी विशेषताएं लिखिए।

अथवा

वैदिक भाषा की विशेषताएँ लिखते हुए, महत्व स्पष्ट कीजिए।

2. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का ग्रियर्सन के वर्गीकरण का विवेचन कीजिए।

अथवा

खड़ी बोली और अवधी की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।

3. शब्द की परिभाषा देते हुए उनका संरचनात्मक परिचय और संरचना के आधार पर वर्गीकरण कीजिए।

अथवा

वाक्य की परिभाषा देते हुए संरचना के आधार पर भेद स्पष्ट कीजिए।

4. संचार भाषा का महत्व स्पष्ट करते हुए हिंदी के दृश्य-श्रव्य संचार भाषायी स्वरूप का परिचय दीजिए।

अथवा

वर्तनी की परिभाषा देते हुए, हिंदी वर्तनी का सोदाहरण परिचय दीजिए।

$15\times4=60[20\times4=80]$

खण्ड–आ

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दस** अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5. (i) भाषा की वैज्ञानिक परिभाषा दीजिए।

(ii) पाली भाषा की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(iii) पूर्वी हिंदी की बोलियों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) हिंदी के भौगोलिक विस्तार का परिचय दीजिए।

(v) अक्षर की सोदाहरण परिभाषा दीजिए।

(vi) बहुव्रीहि समास का परिचय दीजिए।

(vii) शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए।

(viii) हिंदी वाक्य पद-क्रम का स्वरूप लिखिए।

(ix) संयुक्त क्रिया का परिचय दीजिए।

(x) राष्ट्रभाषा का स्वरूप बताइए।

(xi) हिंदी स्वरों को उनकी मात्रा सहित क्रमशः लिखिए।

(xii) नागरी लिपि के सभी नासिक्य वर्ण लिखिए।

2×10=20[2×10=20]

Roll No. ....

Total No. of Questions : 2] [Total No. of Printed Pages : 3

(2064)

M.A. (CBCS) IInd Semester Examination

8898

HINDI

(मीडिया लेखन एवं हिन्दी पत्रकारिता)

(GE-1)

Paper : MHIN-205

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : Regular : 80, Private : 100

नोट :- सभी प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मीडिया का अर्थ एवं परिभाषा देते हुए स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ii) हिन्दी पत्रकारिता के प्रकार बताते हुए खोजी पत्रकारिता की समीक्षा कीजिए।

अथवा

प्रिंट मीडिया की भूमिका एवं चुनौतियाँ स्पष्ट कीजिए।

(iii) हिन्दी भाषा के सन्दर्भ में जनसंचार माध्यमों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिन्दी पत्रकारिता एवं मीडिया का अन्तर्सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

(iv) हिन्दी मीडिया की तकनीकी शब्दावली पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सूचना प्राप्ति के अधिकार की भूमिका और औचित्य की समीक्षा कीजिए।

15×4=60[20×4=80]

2. किन्हीं **दस** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

(i) पुस्तक लेखन की विधि का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ii) मीडिया के विकास पर प्रकाश डालिए।

(iii) खेल पत्रकारिता का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(iv) विज्ञापन लेखन की पद्धति पर प्रकाश डालिए।

(v) रेडियो लेखन में किन सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए ?

(vi) साहित्यिक पत्रकारिता का भाव स्पष्ट कीजिए।

(vii) वाणिज्य पत्रकारिता की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

(viii) हिन्दी पत्रकारिता की चुनौतियाँ स्पष्ट कीजिए।

(ix) मल्टीमीडिया में हिन्दी की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

(x) हिन्दी में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(xi) टेलीविजन लेखन की समस्याएँ स्पष्ट कीजिए।

(xii) समाचार लेखन की सावधानियाँ स्पष्ट कीजिए।

$2 \times 10 = 20 [2 \times 10 = 20]$